पाठ 20. जवाहर भाई

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्‌देश्य अंतर-वैयक्तिक संबंध का कौशल विकसित करना है ताकि वे विभिन्न व्यक्तियों/प्राणियों से सकारात्मक तरीके से जुड़ने की समझ पैदा कर सकें। राष्ट्र के जीवन में राजनैतिक रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्ति के भीतर भी एक सहज, सरल, स्निग्ध मनुष्य निहित रहता है। यदि ऐसा न हो तो उनके आसपास की दुनिया को तो सूखने के कगार पर आने का खतरा रहेगा। साथ ही, उस व्यक्ति के व्यक्तित्व के सतरंगी पक्ष भी उजागर होने से रह जाएँगे।

पाठ का सार

स्वतंत्रता आंदोलन के दिनों में इलाहाबाद स्थित आनंद भवन राजनैतिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्रों में से एक था। महादेवी वर्मा उन दिनों कॉलेज के छात्रावास में रह रही थीं और उन्हें अपनी आचार्या के साथ आनंद भवन जाने के अवसर मिलते रहे। एक दिन उनकी मुलाकात देश के भावी प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से हुई। यह मुलाकातों का सिलसिला स्वतंत्रता के बाद भी चलता रहा। महादेवी जी के बस्ते में किताबें थीं और बस्ता वे सीढ़ियों पर भूल से छोड़ गईं। नेहरू जी ने ऐसा देखा तो अपनेपन के साथ उन्हें डाँटा भी। एक बार मोटर दुर्घटना में लेखिका का पैर टूट गया तो नेहरू जी ने कहा ''क्या वाहियात बात है, तुमने अपना पैर ही तुड़वा लिया!'' इस कथन में नेहरू जी के मन के अंदर व्याप्त स्नेह का अपूर्व भंडार था। एक बार महादेवी जी बिना पूर्व-निर्धारित कार्यक्रम के प्रधानमंत्री निवास पहुँच गईं। वहाँ के व्यस्ततम कार्यक्रम में से भी नेहरू जी ने महादेवी जी के लिए वक्त निकाला। भोजन के विषय में शाकाहार पर उनकी सहज टिप्पणियाँ और सेवाभाव यह दिखाता है कि तब के लोग पद की ऊँचाई के नीचे अपनी मनुष्यता को कभी दबने-कुचलने नहीं देते थे।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  महादेवी वर्मा के द्‌वारा लिखे गए संस्मरणों में से कुछ के विषय में जानकारी बच्चों से साझा करें। संस्कृतनिष्ठ शब्दावली से आए शब्दों के उच्चारण व अर्थ पर विशेष ध्यान दें। जटिल लगने वाले शब्दों के उच्चारण को दोहराएँ।

  प्रश्नोत्तर सारगर्भित रहें इसके लिए बच्चों के शब्द भंडार पर विशेष ध्यान दें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 3** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्‌देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - अनेक शब्द के लिए एक शब्द की आवश्यकता के बारे में बताएँ।
  - उदाहरण देकर विलोम शब्द समझाएँ।
  - वाक्य की परिभाषा दें। वाक्य के भेदों से बच्चों को अवगत कराएँ।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - देश के अभी तक के प्रधानमंत्रियों की सूची तैयार करवाएँ तथा उनके व्यक्तित्व से संबंधित एक एलबम तैयार करवाएँ।
  - 'ऐसे थे चाचा नेहरू'–इस विषय पर एक परियोजना कार्य तैयार करवाएँ।
  - नेहरू जी के व्यक्तित्व की तुलना आज के नेताओं के व्यक्तित्व से करके बच्चों को जानकारी दें।